Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 16 October 2024

Amar Ujala
Page - 08

दक्षता और कौशल विकास पाठ्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड करेगा डीडीयू

महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी मिलेगा लाभ, नियुक्त होंगे पाठ्यक्रमों के विशेषज्ञ

शिक्षासत्र में शोधार्थी व शोध पर्यवेक्षकों की बैठक कल

भारतीय ज्ञान और योग परंपरा अब विश्वव्यापी सर्व स्वीकार्य : प्रो. ईश्वर

'मानसिक स्वास्थ्य की तरफ ध्यान देना आवश्यक'

डीडीयू : विधि के ट्यूटोरियल की छुटी परीक्षाओं के लिए आवेदन 21 से

सीएसआईआर-यूजीसी नेट में शानदार प्रदर्शन

Amar Ujala Select
Page - 05

दक्षता व कौशल विकास पाठ्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड करेगा डीडीयू

विश्वविद्यालय के साथ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी मिलेगा लाभ

भोजपुरी संस्कृति को बढ़ावा देने को तत्पर रहेगा विश्वविद्यालय : कुलपति

डीडीयू : शिक्षासत्रांत में शोधार्थी एवं शोध पर्यवेक्षकों की बैठक कल

विधि के ट्यूटोरियल की छूटी परीक्षाओं के लिए आवेदन 21 से

डीडीयू की वॉलीबॉल व क्रॉस कंट्री टीम का चयन 19 से

डीडीयू की एमबीबीएस की छात्रा का चयन जेआरएफ में

सीएसआईआर-यूजीसी नेट में चमके डीडीयू के विद्यार्थी

सीएसआईआर-यूजीसी नेट में शानदार प्रदर्शन

Hindustan
Page - 06

डीडीयू के साथ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी मिलेगा लाभ

कौशल अभिवृद्धि कोर्स का कंटेंट अब एक क्लिक पर

डीडीयू

- यूजीसी और यूपी सरकार के प्रावधान के तहत चार वर्षीय कोर्स यूजी में लागू
- इसी हफ्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड होंगे सभी पाठ्यक्रम

कार्य परिषद से मंजूरी

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के तीनों तातक (चार वर्षीय) में पढ़ाए जाने वाले सभी दक्षता अभिवृद्धि तथा कौशल अभिवृद्धि पाठ्यक्रमों की पठ्य सामग्री और वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। समय-समय पर विषय विशेषज्ञ कक्षाएं भी लेंगे। इसका लाभ कैंपस के साथ कॉलजों के भी विद्यार्थियों को मिलेगा।

डीडीयू में एनईपी के समन्वयक प्रो. हर्ष सिंगने ने बताया कि यूजीसी और उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को लेकर प्रारूप जारी किया है। एनईपी-2020 में पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विद्यार्थियों की दक्षता एवं कौशल में अभिवृद्धि पर खासा जोर दिया गया है। इसके तहत प्रत्येक विद्यार्थी स्नातक की अपनी पढ़ाई के पहले चार सेमेस्टरों में दक्षता अभिवृद्धि का एक-एक कोर्स करेगा। इसी तरह वह पहले तीन सेमेस्टरों में प्रत्येक में कोई एक कौशल अभिवृद्धि यानी स्किल इनहैंसमेंट का कोर्स भी करेगा। डीडीयू में दक्षता अभिवृद्धि कोर्सेज (एईसी) तथा कौशल अभिवृद्धि कोर्सेज (एसईसी) के तहत कई कोर्स में से कोई एक चुनने का विकल्प रखा गया है।

> ये कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अभिन्न अंग हैं। विश्वविद्यालय तथा कॉलेजों के विद्यार्थियों के लाभ के लिए यह पाठ्यक्रम सामग्री शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जा रही है।
> -प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

भोजपुरी संस्कृति को बढ़ावा देने को तत्पर रहेगा डीडीयू

गोविंद में भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिकरण कार्यशाला का उद्घाटन करती कुलपति।

कार्यशाला

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि पूर्वांचल के लोकगीतों की परंपरा अति प्राचीन है। यहां के लोकगीतों में एक अलग सी मिठास है। विभिन्न लोहारों एवं गुरु आयोजनों पर गाए जाने वाले लोकगीतों की अपनी अपनी विशेषता है, जो मानव जीवन को और भी सुंदर एवं सरल बनाती है। भोजपुरी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहेगा।

वे उप संस्कृति विभाग एवं डीडीयू के ललित कला एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं।

ललित कला एवं संगीत विभाग में 'भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिकरण कार्यशाला' के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। 13 दिन तक चलने वाली यह कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज-2025 एवं मिशन शक्ति के तहत आयोजित किया गया है। कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक लोक गायक राकेश उपाध्याय द्वारा सरस्वती वंदना गीत प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

ललित कला विभाग की अध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजवंत राव और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

सीएसआईआर-यूजीसी नेट में चमके डीडीयू के विद्यार्थी

गोरखपुर। सीएसआईआर और यूजीसी नेट का परिणाम मंगलवार को जारी हो गया। इसमें गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। विज्ञान संकाय के दर्जन भर से अधिक विद्यार्थियों का चयन इन दोनों परीक्षाओं में हुआ है।

वनस्पति विज्ञान की अनुराधा गुप्ता का चयन जेआरएफ के लिए हुआ है। अंकुर चौरसिया, मायाराम यादव, नूतन कुमारी, समरा खान और वीपवंद नेट में चयनित हुए हैं। रसायनशास्त्र विभाग से सतीश चौहान व राजन गोंड का चयन जेआरएफ में हुआ है, तो विशाल सिंह नेट और सत्यव्रत पांडेय व फरमीना शफक पीएचडी के लिए सफल हुए हैं। प्राणि विज्ञान विभाग की अमृता का चयन नेट में हुआ है। भौतिकी विभाग के संस्कार मिश्र और शिव कुमार का चयन एसआरएफ में हुआ है। सीएसआईआर नेट की परीक्षा में भौतिकी विभाग की विद्यार्थी अंजलि पांडेय ने 100वीं स्थान प्राप्त किया है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो. अनुभूति दुबे, प्रो. उमेश नाथ आदि ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी है।

Rashtriya Sahara
Page - 07

भोजपुरी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए गोविंद तत्पर : कुलपति

गोरखपुर। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश एवं ललित कला एवं संगीत विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में गोरखपुर में भोजपुरी लोकगीत संस्कृति विभाग का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश एवं ललित कला एवं संगीत विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में 'भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतिकरण कार्यशाला' का शुभारंभ

कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलन कर किया। ललित कला एवं संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा कुलगीत एवं कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक अंतराष्ट्रीय लोक गायक राकेश उपाध्याय द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति की गई। ललित कला संगीत विभाग की अध्यक्ष प्रो. उषा सिंह ने मुख्य अतिथि वरिष्ठ उपाध्याय प्रो. राजवंत राव और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

कुलपति प्रो. टंडन ने कहा कि पूर्वांचल के लोकगीतों की परंपरा अति प्राचीन है। यहां के लोकगीतों में एक अलग सी मिठास है।

विभिन्न लोहारों एवं गुरु आयोजनों पर गाए जाने वाले लोकगीतों की अपनी अपनी विशेषता है जो मानव जीवन को और भी सुंदर एवं सरल बनाती है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहेगा।

अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. राजवंत राव ने कहा कि भोजपुरी लोकगीतों की कला ई-मार्केटिंग तुग रहें जो कुछ विशेष लोगों में निहित होता है। अभिव्यक्ता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने कहा कि भोजपुरी भाषा में बहुत विविधता है जिसे बहुत लहजता से समझा जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन किरण उपाध्याय ने किया।

Aaj

सीएसआईआर-यूजीसी नेट में चयनित हुए एक दर्जन से अधिक छात्र

❖ पोछा पलिम में गोविंदे के विद्यार्थियों का सम्मान प्रदर्शन

Rashtra Ki Parampara

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने के तीन प्रमुख कारक- बातचीत, कार्य-जीवन संतुलन और सकारात्मकताः प्रो. पूनम

डीडीयू: अंतरराष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली आयोजित

सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

गोरखपुर (एसएनबी)। मंगलवार को घोषित हुए सीएसआईआर-नेट परीक्षा परिणाम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के रसायनशास्त्र विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, प्राणि विज्ञान विभाग और भौतिकी विभाग के एक दर्जन से अधिक छात्र चयनित हुए हैं। बाटनी विभाग से नेट जेआरएफ में अमृता गुप्ता एवं अंकुर चौरसिया नेट में मायाराम यादव, नूतन कुमारी पीएचडी के लिये, समरा खान और वीपवंद का चयन हुआ है। रसायन शास्त्र विभाग से नेट जेआरएफ के लिये सतीश चौहान, राजन गोंड नेट के लिए विशाल सिंह एवं पीएचडी के लिये सत्यव्रत पांडेय और फरमीना शफाक सफल हुए हैं, जबकि प्राणि विज्ञान विभाग की अमृता (नेट) ने सफलता पाई है। भौतिकी विभाग के संस्कार मिश्र और शिव कुमार एसआरएफ के लिये चयनित हुए हैं। वहीं यूजीसी यह रही कि सीएसआईआर नेट की परीक्षा में भौतिकी विभाग के संस्कार मिश्र ने 50वां एवं रसायन शास्त्र विभाग के सतीश चौहान ने 100वां स्थान प्राप्त किया है।

■ चयनित हुए एक दर्जन से अधिक छात्र

उल्लेखनीय है कि संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा जुनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ), असिस्टेंट प्रोफेसर और भारतीय विश्वविद्यालयों व कलेजों में पीएचडी में प्रवेश के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता सुनिश्चित करती है। पहली बार यूजीसी नेट परीक्षा के परिणाम में तीन केटेगरी में परिणाम घोषित करते हुए जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए नेट एवं पीएचडी की पात्रता निर्धारित की गई है। यह परीक्षा तीखिक और लोष कार्यों के लिए की गई है।

प्रतिभाशाली उम्मीदवारों की सहायता देती है। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने सीएसआईआर-यूजीसी नेट में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की दीक्षिक गुणवत्ता और लोध के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विश्वविद्यालय हमेशा से अपने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अनुकूल वातावरण और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास करता रहा है। इस दिशा में नियुक्त यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी के लिए कक्षाएं विभिन्न विभागों द्वारा समय-समय पर आयोजित की जा रही हैं।

विद्यार्थियों की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कुलपति प्रो. आर. एन. त्रिपाठी, प्रोवॉस्ट प्रो. अनुभूति दुबे, वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल द्विवेदी, रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी, भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. रविशंकर सिंह समेत विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

Swatantra Chetna
Page - 05

भोजपुरी लोकगीत कार्यशाला

पूर्वांचल के लोकगीतों की परंपरा अति प्राचीन है: कुलपति

भोजपुरी लोकगीतों की कला प्रस्तुति पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य।

ऋषि परम्परा, योग परम्परा का उदाहरण है: प्रो. ईश्वर

भारतीय ज्ञान एवं योग परम्परा अब विश्वव्यापी एवं सर्व स्वीकार्य है।

शोधार्थियो की बैठक कल

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र के विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, ने बताया कि शिक्षाशास्त्र विषय के पूर्णकालिक तथा अंशकालिक पी-एचडी के शोधार्थियों तथा शोध पर्यवेक्षकों की आवश्यक बैठक 17 अक्टूबर को शिक्षा संकाय भवन में प्रातः 11:30 बजे होगी। इस बैठक का उद्देश्य पी-एचडी शोधपंजीकरण हेतु शोधार्थियों तथा पर्यवेक्षकों के बीच संवाद स्थापना का अवसर उपलब्ध कराना है।

Nirbhik India

भोजपुरी लोकसंगीत प्रस्तुतिकरण कार्यशाला की हुई शुरुवात

संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश एवं ललित कला एवं संगीत विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 15/ 10/ 2024 को ललित कला एवं संगीत विभाग में 'भोजपुरी लोकगीत प्रस्तुतीपत्र कार्यशाला' का शुभारंभ किया गया। 13 दिन तक चलने वाला यह कार्यशाला महाकुंभ प्रयागराज- 2025 एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित किया गया है।
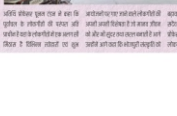
निर्भीक हुंडिया संवाददाता गोरखपुर